अभ्यास पत्रक

पाठ – नौबतखाने में इबादत

नाम :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

प्रश्न 1: बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) (1×5 = 5 अंक)

1. बिस्मिल्ला खाँ का जन्म कहाँ हुआ था?
   (क) काशी (ख) लखनऊ (ग) डुमराँव (घ) अजमेर
2. अमीरुद्दीन को संगीत की प्रारंभिक प्रेरणा किससे मिली?
   (क) पिताजी से (ख) रसूलनबाई और बतूलनबाई से (ग) नाना से (घ) अलीबख्श खाँ से
3. बिस्मिल्ला खाँ के अनुसार 'फटा सुर' का अर्थ क्या है?
   (क) गलत राग (ख) बेसुरा गायन (ग) गलत शहनाई (घ) फटी हुई रीड
4. संकटमोचन मंदिर में बिस्मिल्ला खाँ कब शहनाई बजाते थे?
   (क) मुहर्रम पर (ख) ईद पर (ग) होली पर (घ) हनुमान जयंती पर
5. बिस्मिल्ला खाँ ने किस पुरस्कार को ‘लुंगी’ से नहीं जोड़ा?
   (क) संगीत नाटक अकादमी (ख) भारत रत्न (ग) पद्म विभूषण (घ) नोबेल पुरस्कार

प्रश्न 2: रिक्त स्थानों की पूर्ति करें – (1×2 = 2 अंक)

1. शहनाई को ‘शाहेनय’ का दर्जा _____ संगीत वाद्य में मिला है।
2. बिस्मिल्ला खाँ ने अपने संगीत को _____ की तरह साधा।

प्रश्न 3: लघु उत्तरीय प्रश्न (30–40 शब्दों में उत्तर दें) (4 में से कोई 3 करें) – (3×2 = 6 अंक)

1. अमीरुद्दीन और उनके परिवार का शहनाई से क्या संबंध था?

उत्तर - .....

.....

.....

2. बालाजी मंदिर तक जाने वाले रास्ते में संगीत का कौन-सा प्रभाव पड़ा अमीरुद्दीन पर?

उत्तर - .....

.....

.....

3. बिस्मिल्ला खाँ की काशी के प्रति क्या भावना थी?

उत्तर - .....

.....

.....

4. लेखक ने कुलसुम हलवाइन की कचौड़ी को ‘संगीतमय’ क्यों कहा?

उत्तर - .....

.....

.....

egyanarchive

प्रश्न 4: गद्यांश आधारित प्रश्न – (1×4 = 4 अंक)

"फूँक में अज़ान की तासीर उतरती चली आई। देखते-देखते शहनाई डेढ़ सतक के साज से दो सतक का साज बन, साजों की कतार में सरताज हो गई।"

1. उपर्युक्त पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - .....

.....

2. 'अज़ान की तासीर' से क्या तात्पर्य है?

उत्तर - .....

.....

3. लेखक ने शहनाई को 'सरताज' क्यों कहा है?

उत्तर - .....

.....

4. यह किसके संगीत के प्रभाव का वर्णन है?

उत्तर - .....

.....

प्रश्न 5: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (1×8 = 8 अंक) *उत्तर सीमा: 80–100 शब्द*

प्रश्न: 'नौबतखाने में इबादत' पाठ में उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ का जीवन केवल एक संगीतकार का जीवन नहीं बल्कि एक सच्चे साधक, भारतीय संस्कृति के वाहक और धार्मिक सौहार्द के प्रतीक का चित्रण है। पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तर कुंजी

प्रश्न 1 – MCQ उत्तर:

1. (ग) डुमराँव
2. (ख) रसूलनबाई और बतूलनबाई से
3. (ब) बेसुरा गायन
4. (घ) हनुमान जयंती पर
5. (ख) भारत रत्न

प्रश्न 2 – रिक्त स्थान उत्तर:

1. सुषिर
2. इबादत

प्रश्न 3 – लघु उत्तरीय उत्तर:

1. बिस्मिल्ला खाँ के परिवार में उनके परदादा से लेकर पिता और मामू तक सभी शहनाई वादक थे। यह उनका खानदानी पेशा था।
2. रसूलनबाई और बतूलनबाई के घर से आते गीतों से बालक अमीरुद्दीन को संगीत में रुचि जाग्रत हुई, और वही उसकी पहली संगीत प्रेरणा बनी।
3. बिस्मिल्ला खाँ काशी को स्वर्ग से बढ़कर मानते थे और जीवन भर उस भूमि को नहीं छोड़ना चाहते थे।
4. कुलसुम जब कचौड़ी को गरम घी में डालती थी तो उसमें उठने वाली आवाज़ को बिस्मिल्ला खाँ संगीत की आरोह-अवरोह की तरह अनुभव करते थे।

प्रश्न 4 – गद्यांश आधारित उत्तर:

1. बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई में इतना मधुर भाव आ गया था कि उसका प्रभाव आध्यात्मिकता जैसा अनुभव होता था।
2. 'अज़ान की तासीर' से तात्पर्य है – शहनाई में पवित्रता और आत्मा को स्पर्श करने वाली शक्ति का समावेश।
3. शहनाई को 'सरताज' इसलिए कहा गया क्योंकि बिस्मिल्ला खाँ ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहचान दिलाई।
4. यह बिस्मिल्ला खाँ के संगीत और उनके अभ्यास की सफलता का वर्णन है।

प्रश्न 5 – दीर्घ उत्तरीय उत्तर संकेत:

- बिस्मिल्ला खाँ केवल महान शहनाई वादक ही नहीं थे, बल्कि वे संगीत को साधना मानने वाले एक श्रद्धालु व्यक्ति थे।
- उन्होंने जीवनभर रियाज़, सादगी, और समर्पण के साथ संगीत को पूजा की तरह किया।
- उन्होंने हिंदू और मुस्लिम परंपराओं को समान रूप से सम्मान दिया – संकटमोचन मंदिर में शहनाई बजाते और मुहर्रम के दौरान नौहा बजाते थे।
- उनके जीवन से धार्मिक सौहार्द, सरलता, समर्पण और भारतीय संस्कृति की गहराई को पहचाना जा सकता है।

egyanarchive